

- एक तो चोरी ऊपर से सीनाजोरी = अपराधी का स्वयं लज्जा महसूस न कर दूसरे पर उल्टा रोब दिखाने की धृष्टता करना।
- एक ही थैली के चट्टे बट्टे = एक ही प्रकार के लोग या समानरूप से दोषी लोग।
- एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकतीं = एक ही स्थान पर दो प्रतिद्वंद्वी व्यक्ति नहीं रह सकते।
- एक पंथ दो काज = एक उपाय से दो कार्यों की सिद्धि।
- एक तंदुरुस्ती हजार नियामत = स्वास्थ्य है तो हजारों सुख हैं अर्थात् स्वास्थ्य सबसे बढ़कर है।
- एकै साथै सब सधै, सब साथै सब जाय = एक समय में एक ही कार्य करने से, वह पूर्ण हो जाता है अनेक कार्य प्रारंभ करने पर वे सभी काम बिगड़ जाते हैं।
- ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर = जब किसी काम को हाथ में ले लिया तो आने वाली कठिनाइयों की क्या चिंता।
- कभी नाव गाड़ी पर और कभी गाड़ी नाव पर = एक न एक दिन सबका समय आता है अथवा परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं।
- कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली = एक ओर अत्यंत गुणी व संपन्न व्यक्ति दूसरी ओर सामान्य एवं निर्धन व्यक्ति, दोनों में बहुत अंतर होता है।
- कहीं की ईंट कहीं का रोड़ा, भानुमती ने कुनबा जोड़ा = अनमेल एवं विविधतापूर्ण विचारों, वस्तुओं, व्यक्तियों व भावों का एकत्रीकरण।
- काठ की हाँडी बार बार नहीं चढ़ती = किसी व्यक्ति को एक बार ही धोखा दिया जा सकता है, बार-बार नहीं।
- काला अक्षर भैंस बराबर = पूर्णतया अशिक्षित व्यक्ति।
- का वर्षा जब कृषि सुखाने (तुल. अब पछताए.....) = उचित अवसर निकल जाने पर प्रयत्न करना बेकार है।
- कोयले की दलाली में हाथ काले = बुरे कार्य में लगने से अपयश ही मिलता है।
- खग जाने खग ही की भाषा = जिस प्रकार का व्यक्ति हो उसकी बात या तात्पर्य को उसी प्रकार का व्यक्ति समझ सकता है।
- खरबूजे को देखकर खरबूजा रंग बदलता है = एक दूसरे को देखकर अच्छा या बुरा शौक लगता है।